# PAPER-III
# MAITHILI

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

**J 18 14**

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **75**

## Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   **Example :** Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   **उदाहरण** : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

# मैथिली

## प्रश्नपत्र – III

**नोट :** एहिमे **पचहत्तरि (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक लेल **दू (2)** अंक अछि । **सभ** प्रश्न अनिवार्य अछि ।

**1.** 'सीतायन' क रचयिता छथि

(A) चन्दा झा

(B) वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु'

(C) रामलोचन शरण

(D) लालदास

**2.** रामायणमे 'लंका दहन' क वृत्तान्त अछि

(A) अरण्य काण्डमे

(B) किष्किन्धा काण्डमे

(C) सुन्दर काण्डमे

(D) लंका काण्डमे

**3.** चन्दा झाक रामायणक नाम अछि

(A) रमेश्वरचरित मिथिला रामायण

(B) मिथिला भाषा रामायण

(C) रमेश्वरचरित रामायण

(D) रमेश्वरचरित मिथिला भाषा रामायण

**4.** लालदासपर विनिबन्ध प्रकशित अछि

(A) एक (B) दू

(C) तीन (D) चारि

**5.** "कालकूट घट पीबि सुधारस जगमे बाँटि सकैछ स्वर्गलोकसँ मर्त्यलोक धरि नेता ओ कहबैछ ।"
लेल गेल अछि

(A) 'एकावली परिणय' सँ

(B) 'चाणक्य' सँ

(C) 'सुभद्राहरण' सँ

(D) 'कीचक-वध' सँ

**6.** सुदामाक चरित्रांकन भेल अछि

(A) 'कृष्णचरित' मे (B) 'अम्बचरित' मे

(C) रावण-वध मे (D) 'अगस्त्यायनी' मे

**7.** 'एकावली-परिणय' क रचयिता छथि

(A) सीताराम झा (B) रघुनन्दन दास

(C) लालदास (D) बदरीनाथ झा

**8.** नहुषकेँ शाप देलनि

(A) संदीपनि (B) अगस्त्य

(C) गौतम (D) दुर्वाशा

**9.** अमरेन्द्र मिश्रक खण्डकाव्य अछि

(A) उत्सर्ग (B) सीता

(C) एकलव्य (D) उत्तरा

**10.** 'शकुन्तला' खण्डकाव्यक प्रकाशन भेल अछि

(A) मैथिली अकादमीसँ

(B) साहित्यिकीसँ

(C) साहित्य अकादेमीसँ

(D) चेतना समितिसँ

**11.** "हँसितहि जकरा झहरि पड़े अछि फूलक थौका
तकितहि जकरा चमकि चौंकि चमकइ बिजलौका ।"
कहल गेल अछि

(A) सुदेष्णाक विषयमे (B) कुन्तीक विषयमे

(C) सैरन्ध्रीक विषयमे (D) उत्तराक विषयमे

**12.** इन्द्र-वृत्रासुरक चरित्रांकन अछि

(A) 'गंगा' मे (B) 'पतन' मे

(C) 'नोर' मे (D) 'लखिमारानी' मे

**13.** नहुष शापग्रस्त भेलापर बनि गेलाह

(A) गन्धर्व (B) असुर

(C) अजगर (D) शिला

**14.** 'नोर' अछि

(A) महाकाव्य (B) कथाकाव्य

(C) मुक्तककाव्य (D) खण्डकाव्य

**15.** सीताराम झा लिखने छथि

(A) उनटा पाल (B) लोकलक्षण

(C) माटिक दीप (D) भावाञ्जलि

**16.** "तजी अनवसर क्रोध लोभ नहि कतहु जनाबी" ई लिखने छथि

(A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(B) जय प्रकाश चौधरी 'जनक'

(C) सीताराम झा

(D) तंत्रनाथ झा

**17.** "समता अहँक कतयसँ पओता जनकपुरक श्रीमान् किन्तु विदेह वैह कहबै छथि माटिक अहाँ किसान ।" ई पाँती अछि

(A) जन्मदिवससँ (B) श्मशानसँ

(C) यौवनस्मृतिसँ (D) हलधरसँ

**18.** 'राधा-विरह' क भूमिका लिखने छथि

(A) यात्री

(B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(C) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'

(D) काञ्चीनाथ झा 'किरण'

**19.** 'विलाप' मे वर्णन अछि

(A) विधुरक (B) वृद्धाक

(C) विधवाक (D) रुग्णक

**20.** प्रगतिवादी कवि छथि

(A) बदरीनाथ झा

(B) दीनानाथ पाठक 'बन्धु'

(C) सीताराम झा

(D) यात्री

**21.** "तप्पत खिच्चड़ि खा कड जे केाँढ अपन गरमौलक सप्पत खा कड पुरिबा तकरा एक बेरि धमकौलक ।" ई वर्णन अछि

(A) 'ठाँहि-पठाँहि' मे (B) 'ऋतुप्रिया' मे

(C) 'आशा-दिशा' में (D) 'युगचक्र' मे

**22.** 'साहित्य अकादेमी' सँ पुरस्कृत छथि

(A) आरसी प्रसाद सिंह

(B) सियाराम झा 'सरस'

(C) नरेन्द्रनाथ दास

(D) गौरी कान्त चौधरी 'कान्त'

**23.** 'पञ्चसन्धि' क प्रयोग होइत अछि

(A) महाकाव्यमे (B) कथामे

(C) नाटकमे (D) उपन्यासमे

**24.** नाटक थिक प्रभेद

(A) प्रकरणक (B) रूपकक

(C) उपरूपकक (D) प्रहसनक

**25.** "कतओ जतन धरि जौँ परिपालिअ साँप न मानए पोसे ।" लेल गेल अछि

(A) मुद्राराक्षस'सँ

(B) 'शकुन्तला'सँ

(C) 'पार्वती परिणय'सँ

(D) 'पारिजातहरण'सँ

**26.** शंकरदेव छथि

(A) नेपालीय नाटककार

(B) कीर्तनियाँ नाटककार

(C) अंकीया नाटककार

(D) ओडिया नाटककार

**27.** 'जीवन संघर्ष' एकांकी लिखने छथि

(A) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'

(B) कुमार गंगानन्द सिंह

(C) रामदेव झा

(D) रोहिणी रमण झा

**28.** 'ओ घैल फोड़े छै' छनि

(A) महेन्द्र मलंगियाक

(B) बाबू साहेब चौधरीक

(C) छत्रानन्द सिंह झाक

(D) प्रेमलता मिश्र 'प्रेम'क

**29.** 'लेटाइत आँचर' नाटक अछि

(A) पौराणिक (B) धार्मिक

(C) सामाजिक (D) ऐतिहासिक

**30.** 'एक छल राजा' अछि

(A) कथा (B) नाटक

(C) उपन्यास (D) आत्मकथा

**31.** हास्य-व्यंग्य सम्राट्सँ जानल जाइत छथि

(A) धीरेन्द्र (B) हरिमोहन झा

(C) धूमकेतु (D) मनमोहन झा

**32.** 'सरूप' पात्र अछि

(A) 'पारो'मे (B) 'पवित्रा'मे

(C) 'पृथ्वीपुत्र'मे (D) 'आदिकथा'मे

**33.** 'बिसेसरी' अछि

(A) 'अभिशप्त'मे

(B) 'नवतुरिआ'मे

(C) 'मरीचिका'मे

(D) 'दू कुहेसक बाट'मे

**34.** प्राच्य एवं पाश्चात्य संस्कृतिक चित्रण भेल अछि

(A) 'राजा पोखरिमे कतेक मछरी'मे

(B) 'भलमानुस'मे

(C) 'माहुर'मे

(D) 'दू-पत्र' मे

**35.** 'मरीचिका' क प्रकाशन भेल अछि

(A) साहित्य अकादेमीसँ

(B) अन्तिकासँ

(C) मैथिली अकादमीसँ

(D) प्रिंट वेलसँ

**36.** प्रभास कुमार चौधरी 'साहित्य अकादेमी'सँ पुरस्कृत भेल छथि

(A) कवितापर (B) कथापर

(C) उपन्यासपर (D) नाटकपर

**37.** 'रेलक अनुभव' शीर्षक अछि

(A) कविताक (B) संस्मरणक

(C) उपन्यासक (D) कथाक

**38.** लोकगाथात्मक उपन्यास अछि

(A) सूर्यास्त (B) आन्दोलन

(C) दुलरा दयाल (D) मधुश्रावणी

**39.** मायानन्द मिश्रक 'साहित्य अकादेमी'सँ पुरस्कृत पोथी थिक

(A) चन्द्रविन्दु (B) मंत्रपुत्र

(C) आगि मोम पाथर (D) भाँगक लोटा

**40.** "अन्हार गुज्ज रातिमे तीर चलयबाक ट्रेनिंग लोक सउराठेमे पबैत अछि ।" ई पाँती लिखने छथि

(A) यात्री (B) किरण

(C) चतुरानन मिश्र (D) योगानन्द झा

**41.** 'कचोट' अछि

(A) महाकाव्य (B) उपन्यास

(C) कविता (D) कथा

**42.** सुभाषचन्द्र यादव छथि

(A) महाकाव्यकार

(B) कथाकार

(C) गीतकार

(D) खण्डकाव्यकार

**43.** 'बाबी' लिखने छथि

(A) गजेन्द्र ठाकुर

(B) बाल गोविन्द झा 'व्यथित'

(C) प्रभास कुमार चौधरी

(D) केदार कानन

**44.** 'कर्पूर' अछि

(A) 'एकटा चिनमा खेलिऔ रे भैया'मे

(B) 'आगि मोम पाथर'मे

(C) 'चन्द्रविन्दु'मे

(D) 'गाड़ीक पहिया'मे

**45.** समीक्षाक चारि प्रकारक वृत्तीक उल्लेख कएने छथि

(A) जयधारी सिंह (B) रमानाथ झा

(C) मुनीश्वर झा (D) जयमन्त मिश्र

**46.** 'नाटक ओ रंगमंच' लिखने छथि

(A) लेखनाथ मिश्र

(B) शिवशंकर झा 'कान्त'

(C) प्रेमशंकर सिंह

(D) इन्दिरा झा

**47.** विद्यापतिक शृंगारिक पदक काव्यशास्त्रीय अध्ययन' लिखने छथि

(A) इन्द्रकान्त झा (B) शिवनन्दन ठाकुर

(C) शैलेन्द्र मोहन झा (D) देवेन्द्र झा

**48.** 'अर्थात्'क लेखक छथि

(A) अशोक

(B) मोहन भारद्वाज

(C) उदय चन्द्र झा 'विनोद'

(D) गौरीनाथ

**49.** 'पश्चात्ताप' लिखने छथि

(A) रमण झा

(B) इलारानी सिंह

(C) शैलेन्द्र आनन्द

(D) अशोक कुमार ठाकुर

**50.** 'हरिमोहन झा ग्रंथावली'क प्रकाशन कएलनि अछि

(A) देवकान्त झा (B) चेतकर झा

(C) राजमोहन झा (D) शशिनाथ झा

**51.** 'पापक सहोदर अइसन शरीर ! आतङ्कक नगर अइसन भयानक ! कुमन्त्र अइसन निफल ! आान अइसन सम्मोहक ! मन अइसन सर्व्वतोगामी !' मे वर्णन अछि

(A) मध्याह्न कालक (B) उषा कालक

(C) प्रदोष कालक (D) अन्धकारक

**52.** 'मधुरमनि' कथा लिखने छथि

(A) गोपेश (B) किरण

(C) जीवकान्त (D) सोमदेव

**53.** सुभद्र झा छथि

(A) नाटककार (B) उपन्यासकार

(C) गद्यकार (D) कथाकार

**54.** ललित निबन्ध पर शैलेन्द्र मोहन झाक कृति छनि

(A) मधुश्रावणी (B) विद्यापति

(C) ब्रजबोली साहित्य (D) पथ हेरथि राधा

**55.** मैथिलीक प्रथम पत्रिकाक प्रकाशन भेल

(A) 1905 मे (B) 1906 मे

(C) 1907 मे (D) 1908 मे

**56.** 'कर्णामृत'क प्रकाशनस्थल थिक

(A) गुवाहाटी (B) वाराणसी

(C) कोलकाता (D) मुम्बई

**57.** सुपौलसँ अनियमित रूपेँ पत्रिकाक सम्पादन कएने छथि

(A) मनोज पाठक

(B) अजीत कुमार आज़ाद

(C) अरविन्द ठाकुर

(D) केदार कानन

**58.** 'समदाओन' गाओल जाइत अछि

(A) परिधनि कालमे

(B) कन्याक द्विरागमन कालमे

(C) समधिक भोजन कालमे

(D) नयना जोगिन कालमे

**59.** 'लोरिक विजय' अछि

(A) लोककथा (B) लोकनाट्य

(C) लोकगाथा (D) लोकनृत्य

**60.** लोक साहित्यपर रचना कएने छथि

(A) कपिलेश्वर झा (B) चन्द्रधर झा

(C) सुभाषचन्द्र सिंह (D) विश्वेश्वर मिश्र

**61.** "सुन्दरि, निहुरि फूकू आगि" कहने छथि

(A) गोविन्ददास (B) विद्यापति

(C) अमृतकर (D) चतुर चतुर्भुज

**62.** "सखि हे, हमर दुखक नहि ओर" मे वर्णन अछि

(A) मिलनक (B) पूर्वरागक

(C) विरहक (D) मानक

**63.** "सेहो पिरीत अनुराग बखानइते
तिल तिल नूतन होय ।" ई वार्ता भेल अछि

(A) दूतीक संग (B) नायकक संग

(C) चेटीक संग (D) सखीक संग

**64.** "कातिक धवल त्रयोदशि जान" कहल गेल अछि

(A) उमापतिक विषयमे

(B) विद्यापतिक विषयमे

(C) चन्दा झाक विषयमे

(D) गोविन्ददासक विषयमे

**65.** विद्यापतिक रचना कतेक भाषामे उपलब्ध अछि

(A) एक (B) दू

(C) तीन (D) चारि

**66.** 'लिखना वली'क रचना कएलनि

(A) धीर सिंहक आश्रयमे

(B) गणेश्वरक आश्रयमे

(C) भैरव सिंहक आश्रयमे

(D) राजा पुरादित्यक आश्रयमे

**67.** "जय जय भैरवि...." पदमे वरदान मांगल गेल अछि

(A) सुमतिक (B) ऐश्वर्यक

(C) विद्याक (D) आयुक

**68.** "अस्त्र-शस्त्र रोक आब मामिलाक मारि ।
भाइ-भाइकेँ पढ़ैछ नित्य नित्य गारि ।।" चन्दा झाक रचना थिक

(A) प्रबन्धकाव्यक अंश

(B) मुक्तककाव्यक अंश

(C) खण्डकाव्यक अंश

(D) कथाकाव्यक अंश

**69.** कवीश्वर 'मिथिला भाषा रामायण'क रचना कएलनि

(A) रमेश्वर सिंहक आश्रयमे

(B) माधव सिंहक आश्रयमे

(C) लक्ष्मीश्वर सिंहक आश्रयमे

(D) कामेश्वर सिंहक आश्रयमे

**70.** चन्दा झाक जन्म भेलनि

(A) पिण्डाएछमे (B) ठाढ़ीमे

(C) तरौनीमे (D) बड़गाममे

**निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या **71** सँ **75**) क उत्तरक हेतु देल गेल बहुविकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू

साहित्य मानवक सृष्टि थीक आ मानव जीवनक उपभोक्ता । अत:मानव, जीवन ओ साहित्यक मध्यस्थ रहैछ । जखन एकटा मानव उद्वेलित विचार एवं भावनाक बेगकेँ रोकबामे सक्षम भ'जाइछ तखन ओ अनायासहि अनेक प्रकारेँ ओकर अभिव्यक्तिकेँ उत्तरोत्तर सुन्दर तथा आकर्षक बनयबाक यत्न करैछ । अभिव्यक्तिमे सौन्दर्यक समझौते कला थीक आओर साहित्यसँ ओहि पुस्तक समुदायक बोध होइछ जाहिमे कलाक समावेश हो । कलाक साहचर्यसँ अभिव्यक्ति सरस एवं प्रभावशाली होइछ । मानव हृदयमे तरंगित होमयवला ललित भावना एवं अनुभूतिक कलापूर्ण अभिव्यक्ति जखन वाणी द्वारा होइछ तखन हमरा लोकनि ओकरा साहित्यक संज्ञा दैत छियैक । साहित्य मानव मनक अभिव्यक्ति थीक । अनुभूति एवं विचारधाराकेँ जेना-तेना व्यक्तक' देलासँ ओ साहित्य नहि कहा सकैछ । अभिव्यक्तिक शैली तेहेन सरस आओर हृदयग्राही होमक चाही जाहिसँ ओ पाठकक हृदय किंवा मोनक वैह भाव-तरंग उद्वेलित क'केँ ओकरहुँ समकेँरसाप्लावित करबामे समर्थ हो ।

**71.** मानव उद्वेलित विचार एवं भावनाक वेगकेँ रोकबामे भ'जाइछ

(A) अक्षम

(B) सक्षम

(C) विवश

(D) असमर्थ

**72.** अभिव्यक्तिमे सौन्दर्यक समझौते थीक

(A) साहित्य

(B) संगीत

(C) कला

(D) संस्कृति

**73.** अनुभूतिक कलापूर्ण अभिव्यक्ति होइछ

(A) आचरण द्वारा

(B) संकेत द्वारा

(C) व्यवहार द्वारा

(D) वाणी द्वारा

**74.** अनुभूति एवं विचारधाराकेँ जेना-तेना व्यक्त क' देलासँ ओ नहि कहा सकैछ

(A) साहित्य

(B) विज्ञान

(C) उद्योग

(D) व्यापार

**75.** अभिव्यक्तिक शैली होमक चाही

(A) सरल ओ सहज

(B) सरस ओ हृदयग्राही

(C) बोधगम्य ओ हृदयग्राही

(D) मधुर ओ मर्मस्पर्शी

**Space For Rough Work**